गोवा विश्वविद्यालय

शणै गोंयबाब भाषा और साहित्य महाशाला

हिंदी अध्ययन शाखा

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर हिंदी

पाठ्यक्रम: HIN-522

पाठ्यक्रम का शीर्षक: आधुनिक हिंदी काव्य: व्यावहारिक समीक्षा

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-2023

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	• आधुनिक हिंदी काव्य की सामान्य जानकारी होना अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• आधुनिक हिंदी काव्य की विविध प्रवृत्तियों से परिचित कराना। • आधुनिक हिंदी कवियों की लेखन शैली का अध्ययन कराना। • आधुनिक युग की परिवेशगत जीवनानुभूतियों का स्वरूपांकन कराना। • आधुनिक हिंदी कविता की मूल संवेदना एवं भाषाई चेतना का अध्ययन कराना।	
पाठ्य विषय	**चयनित कवि एवं कविताएँ :** • **जयशंकर प्रसाद** कामायनी - आनंद सर्ग • **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'** जूही की कली, भगवान बुद्ध के प्रति, कुकुरमुत्ता • **महादेवी वर्मा** मधुर मधुर मेरे दीपक जल, क्या पूजन क्या अर्चन रे, शलभ मैं शापमय वर हूँ, कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो! • **सुभद्राकुमारी चौहान**	**09** **08** **08** **08**

	मानिनि राधे, जलियाँवाले बाग़ में बसंत, मेरी कविता • **नागार्जुन** प्रतिबद्ध हूँ, अकाल और उसके बाद, मंत्र, प्रेत का बयान। • **गजानन माधव 'मुक्तिबोध'** मुझे क़दम-क़दम पर, मैं तुम लोगों से दूर हूँ, ब्रह्मराक्षस, अँधेरे में। • **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'** यह दीप अकेला, नदी के द्वीप, सोन मछली, असाध्य वीणा।	**10** **08** **09**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण।	
निर्धारित पाठ्यसामग्री/ आधार ग्रंथ	1) गुप्ता, रूपा (सं॰). सुभद्राकुमारी चौहान ग्रंथावली. स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015. 2) जैन, नेमिचंद्र (सं॰). मुक्तिबोध समग्र. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019. 3) नवल, नंदकिशोर (सं॰). निराला रचनावली. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009. 4) पालीवाल, कृष्णदत्त (सं॰). अज्ञेय ग्रंथावली. भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2011. 5) प्रतिनिधि कविताएँ. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017. 6) प्रसाद, जयशंकर. कामायनी. राजपाल ऐंड सन्स, नई दिल्ली, 2017. 7) वर्मा, महादेवी. यामा. भारती भंडार, इलाहाबाद, 2018.	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) कुमार, राजेंद्र (सं॰). अँधेरे में का महत्त्व. लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद सं॰ 2008. 2) गुप्त, दुर्गा प्रसाद. हिंदी में आधुनिकतावाद. अनंग प्रकाशन दिल्ली सं॰ 1998. 3) चतुर्वेदी, रामस्वरूप. आधुनिक कविता यात्रा. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2000. 4) डॉ॰ नगेंद्र. आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,1979.	

	5) डॉ॰ प्रेमशंकर (सं॰). हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य. मध्यप्रदेश हिंदी अकादमी, 1974. 6) डॉ॰ हरदयाल (सं॰). आधुनिक हिंदी कविता. शब्दाकार दिल्ली 1993. 7) तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद (सं॰). निराला. लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 1997. 8) तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद (सं॰). अज्ञेय. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1994. 9) पांडेय, अरविंद. हिंदी के कवि : रचना और शिल्प. अनुभव प्रकाशन, कानपुर, 1986. 10) मदान, इंद्रनाथ (सं॰). कामायनी (मूल्यांकन और मूल्यांकन), 1967. 11) वाजपेयी, नंददुलारे. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1987. 12) श्रीवास्तव, परमानंद.निराला की कविताएँ (मूल्यांकन और मूल्यांकन). नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद, 1992. 13) सिंह, नामवर. छायावाद. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1988. 14) सिंह, नामवर. कविता के नए प्रतिमान. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1990. 15) सिंह, नामवर. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1991. 16) सैनी, राजकुमार. साहित्य स्रष्टा निराला. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1995.	
अधिगम परिणाम	• आधुनिक हिंदी काव्य की विविध प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। • आधुनिक हिंदी कवियों की लेखन शैली से अवगत होंगे। • आधुनिक युग के परिवेशगत जीवनानुभूतियों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। • आधुनिक हिंदी कविता की मूल संवेदना एवं भाषाई चेतना का ज्ञान प्राप्त करेंगे।	